भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4124 का उत्तर

उत्तर प्रदेश में नई रेलवे लाइनें

4124. श्री आनंद भदौरिया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह दृष्टिगत करते हुए कि रेल संपर्क के अभाव में इन क्षेत्रों के निवासियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, सरकार उत्तर प्रदेश में हरदोई-लखीमपुर, फर्रुखाबाद-गोला और झारेखापुर-बहराइच से नई रेल लाइनें बिछाने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा उक्त नई रेल लाइनों के लिए प्राथमिकता के आधार पर सर्वेक्षण सुनिश्चित किए जाने और चालू वर्ष के दौरान इन लाइनों को बिछाने का कार्य शुरू किए जाने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): हरदोई और लखीमपुर पहले से ही बलामऊ, सीतापुर के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। फ़र्रुख़ाबाद और गोला गोकर्णनाथ पहले से ही कासगंज और बरेली के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। झरेखापुर और बहराइच पहले से ही बुढ़वल और गोंडा के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

आस-पास के क्षेत्र में बेहतर संपर्कता बनाने के लिए बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन परियोजना (240 कि.मी.) को 4,940 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है। मार्च, 2026 तक 1,525 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है और वर्ष 2026-27 में इस परियोजना के लिए 686 करोड़ रुपए का परिव्यय प्रदान किया गया है।

इस परियोजना को राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण के लिए "विशेष रेल परियोजना" के रूप में अधिसूचित किया गया है। प्रमुख खंड-वार प्रगति निम्नानुसार है:

खंड	स्थिति
खलीलाबाद-बांसी (54 कि.मी.)	• 254.44 हेक्टेयर में से 246.81 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है। • 61.71 लाख घन मीटर में से 37.03 लाख घन मीटर भूमि संबंधी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। • इस खंड में 26 बड़े पुलों और 7 स्टेशन भवनों का निर्माण शामिल है। • 56 निचले सड़क पुलों में से 27 का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। • 4 ऊपरी सड़क पुलों की योजना बनाई गई है।
बांसी-इकौना (120 कि.मी.)	568.22 हेक्टेयर में से 48.02 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है
इकौना-बहराइच (66 कि.मी.)	329.60 हेक्टेयर में से 274.17 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है।

फ़र्रुखाबाद - शाहजहाँपुर - गोला गोकर्णनाथ नई लाइन (151 कि.मी.) से सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिए सर्वेक्षण किया गया था। बहरहाल, परियोजना में कम यातायात अनुमानित हैं।

इसके अलावा, सीतापुर (झरेकापुर से लगभग 20 कि.मी.) से बहराइच तक सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु सीतापुर सिटी - बहराइच नई लाइन (99 कि.मी.) के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के बाद, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों अर्थात् नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन अपेक्षित होता है। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृत करना एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए निश्चित समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

उत्तर प्रदेश:

रेल बजट:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2026-27	20,012 करोड़ रुपए (18 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-26	5,499 किलोमीटर	458 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,417 करोड़ रुपए की लागत पर 3,691 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 39 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	09	1,200	365	11,885
आमान परिवर्तन	01	11	0	27
दोहरीकरण/बहुपथन	39	2,480	985	21,631
कुल	49	3,691	1,350	33,543

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (₹ करोड़ में)
1	मेरठ-मुज़फ्फरनगर दोहरीकरण (55 कि.मी.)	430
2	बहराइच-नेपालगंज आमान परिवर्तन (56 कि.मी.)	342
3	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 कि.मी.)	650
4	गाजीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 कि.मी.)	1,766
5	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	863
6	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 कि.मी.)	318

क्र.सं.	परियोजना	लागत (₹ करोड़ में)
7	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 कि.मी.)	1,700
8	कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
9	पीलीभीत-शाहजहाँपुर आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	589
10	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 कि.मी.)	213
11	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 कि.मी.)	1,634
12	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 कि.मी.)	168
13	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 कि.मी.)	184
14	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.)	313
15	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 कि.मी.)	212
16	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 कि.मी.)	525
17	उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 कि.मी.)	662
18	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 कि.मी.)	668
19	आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 कि.मी.)	358
20	भीमसेन-झाँसी दोहरीकरण (206 कि.मी.)	2,620
21	डोमिनगढ़-कुसुम्ही तीसरी लाइन एवं गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 कि.मी.)	508
22	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 कि.मी.)	183
23	रूमा चकेरी-चंदारी तृतीय लाइन (13 कि.मी.)	177
24	बरेली-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 कि.मी.)	313
25	रोसा-बुढ़वल दोहरीकरण (181 कि.मी.)	2,094
26	जौनपुर-अकबरपुर दोहरीकरण (77 कि.मी.)	676
27	रामना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2,436
28	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
29	वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2,018

क्र.सं.	परियोजना	लागत (₹ करोड़ में)
30	करैला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763
31	देवबंद-रुड़की (27 कि.मी.)	1,289
32	आगरा-इटावा नई लाइन (110 कि.मी.)	427
33	फेफना-इंदारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 कि.मी.)	1,778
34	जंघई-प्रतापगढ़-अमेठी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	1,429
35	बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 कि.मी.)	1,308

चालू परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (₹ करोड़ में)
1	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	426
2	बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 कि.मी.)	796
3	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 कि.मी.)	4,940
4	कटरा-अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 कि.मी.)	466
5	पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज तीसरी लाइन (150 कि.मी.)	2,649
6	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,424
7	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1,046
8	एटा-कासगंज नई लाइन (29 कि.मी.)	389
9	गोरखपुर-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	1,121
10	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 कि.मी.)	2,464
11	झांसी- मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4,330
12	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 कि.मी.)	1,320
13	प्रयागराज (इरादतगंज)-मानिकपुर तीसरी लाइन (84 कि.मी.)	1,508
14	भटनी-औंड़िहार दोहरीकरण (117 कि.मी.)	2,529
15	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5,961
16	आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण (150 कि.मी.)	988
17	बाराबंकी-मल्हौर तीसरी और चौथी लाइन (33 कि.मी.)	450

18	फाफामऊ-ऊंचाहार दोहरीकरण (72 कि.मी.)	899
19	औंड़िहार-वाराणसी सिटी तीसरी लाइन (31 कि.मी.)	497
20	गाजियाबाद-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन (403 कि.मी.)	14,926
21	नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन (568 कि.मी.)	16,403
22	बुढ़वल-सीतापुर सिटी तीसरी और चौथी लाइन (103 कि.मी.)	2,276

पिछले तीन वर्षों 2023-24, 2024-25, 2025-26 और चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 3860 किलोमीटर कुल लंबाई को कवर करने वाले 78 सर्वेक्षण (13 नई लाइन, 2 आमान परिवर्तन और 63 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- किसी परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******